He Gazette of India

WHITTYUT EXTRAORDINARY

भाग II—लण्ड 3—उप-लण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित ∰ PUBLISHED BY AUTHORUT

सं. 244] नई विल्ली, बुधबार, मई 20, 1987/वंशाख 30, 1909 । हिंदी No. 244] NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 20, 1987/VAISAKHA 30, 190

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन की रूप की रक्षा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

जल-भुतल परिवहन मतालय

(सड़क पक्ष)

नई दिल्ली, 20 मई, 1987

गुद्धिपत्र

का. आ. 506(अ) :—भारत के श्रसाधारण राजपत्र के भाग II, खंड 3(ii), दिनांक 20 श्रगस्त, 1986 में पुष्ठ 1 में 7 तक प्रकाशित भारत

सरकार के तत्कालीन परिवहन मंत्रालय (जल-भूतल परिवहन विभाग) की अधिस्चना सं. का.ग्रा. 496(ग्र), दिनांक 20 ग्रंगस्त, 1986 में —

पृष्ठ 6 पर. नियम 6 की पंक्ति 3 में "पच्चीस लाख" को "पच्चीस लाख रुपये" पढ़ा जाये।

पृष्ठ 7 पर, नियम 10 के खंड (ख) की पंक्ति 3 में "(i)" को "(1)" पढ़ा जाये।

[फा.सं. एन एच-11012/1/87-एन एच-111/87-1] के के. सरीन, महानिदशक (सड़क विकास) और अपर सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Roads Wing)

New Delhi, the 20th May, 1987

CORRIGENDA

S.O. 506 (E) —In the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Transport (Department of Surface Transport) No. S.O. 496 (E), dated the 20th August, 1986, published at pages 1 to 7 of the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3 (ii), dated the 20th August, 1986, —

at page 6, in rule 6, line 3, for "twenty five lakhs", read "rupees twenty five lakhs";

at page 7, in rule 10, clause (b) line 3, for "(i)" read "(1)".

[F. No. NH-11012]1[87-NH111]DIJ

K. K. SARIN, Director General (Road Development) & Addl Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVE. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1987